प्रथम निर्मल ग्राम पुरुस्कर की सफलता की कहानियां

भारत का पहला पूर्णत: स्वच्छ ब्लॉक- नंदीग्राम-II

नंदीग्राम II ब्लॉक (पूर्व मेदिनीपुर जिला, पं० बंगाल) ने देश में ऐसा पहला ब्लॉक बनाने का गौरव प्राप्त किया है जिसमें सभी ग्रामीण परिवारों के पास स्वच्छ शौचालय है। इस सफलता का मुख्य कारण रहा है जिला और ब्लॉक पंचायतों और यूनिसैफ के सहयोग से राम कृष्ण मिशन लोक शिक्षा परिषद का निकट समन्वयन, जिसमें क्षमता विकास और आई ई सी हेतु तकनीकी इनपुट है। इसमें राज्य स्तरीय नीतियां,समय पर निधि आबंटन, राज्य स्वच्छता सेल द्वारा निकट मॉनिटरिंग और समन्वयन का साथ रहा। इसके अतिरिक्त कठोर राजनैतिक प्रतिबद्धतर ने भी आने वाली बाधाओं हेतु रास्ता बना लिया। किंतु इस सफलता के पीछे मुख्य हाथ रहा सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और जरूरी निम्न लागत के स्वच्छता सामग्रियों का उत्पादन और आपूर्ति के लिए ब्लॉक स्तर पर ग्रामीण स्वच्छता मार्ट की स्थापना। युवा क्लबों और प्रेरकों की सहायता से नंदीग्राम ब्लॉक में स्वच्छता और साफ-सफाई की संकल्पना को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया गया जिसके परिणामस्वरूप अंगीकरण के दर और घरेलू शौचालयों के उपयोग में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई। कहना न होगा कि स्वच्छता में ऐसे अनुसंधात्मक प्रसास के साथ नंदीग्राम-II ब्लॉक ने उन्नत स्वच्छता के मार्गको अपनाने के लिए अन्य को प्रोत्साहित किया।

स्वच्छता में नया कीर्तिमान बनाना-तमिलनाड़ तमिलनाडु ने स्वच्छता में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है, न केवल कार्यान्वयन को सफलतापूर्वक ढंग से करके बल्कि साथ ही स्वच्छता कार्यक्रम में मूल्य बढ़ाकर भी। यह तथ्य जागरूकता सृजन और स्वच्छता सामग्रियों के उत्पादन में स्वयं सहायता समूहोंकी भागीदारी में परिलक्षित हुआ है। ये समूह, गतिविधियाँ अन्य विकासात्मक कार्यक्रम के साथ जुड़े हुए हैं। राज्य ने उचित स्कूल आधारित मॉनीटरिंग प्रणाली के साथ स्कूल और आंगनवाड़ी स्वच्छता कार्यक्रम को प्राथमिकता देने हेतु भी कदम उठाए हैं।

बालिकाओं/महिलाओं को प्राथमिकदी गई है, अत: स्कूलों और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों में सैनिटरी नैपकीनों और अन्य अपशिष्टों के उचित निपटान हेतु इनसिनटेटर लगाए गए।

स्वच्छता कार्यक्रम में किचन गार्डन और बायोगैस संयंत्र को भी बढ़ावा दिया गया है, इसके अतिरिक्त, एसएचजी द्वारा प्रबंधित गॉवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के उचित निपटान पर भी ध्यान केंद्रित रहा है जिससे एक तरफ गाँवों को स्वच्छ बनाया गया है और दूसरी ओर इससे उन्हें रोजगार मिला है। राज्य ने समुदाय के भागीदारी पर विशेषत: महिलाओं, आईईसी और मॉनिटरिंग पर ध्यान केंद्रित किया है जिससे राज्य में स्वच्छता सुविधाओं के कवरेज में संपूर्ण वृद्धि हुई है। परिणाम भली-भांति इस तथ्य में दिखाई

दिया है कि निर्मल ग्राम पुरुस्कार के प्रथम वर्ष में 12 ग्राम पंचायतें और 1 ब्लॉक को पुरुस्कृत किया गया। कोई संदेह नहीं कि तमिलनाड़ का मामला हमारे सम्मुख स्वच्छता को बढ़ावा देने हुतु एक सूचनाबद्ध मॉडल प्रस्तुत करता है।

गुजरात में राजकोट जिले के राज समाधियता पंचायत की सफल कहानी- भारतीय गाँव का बदलता स्वरूप

राजकोट जिले के बाहरी क्षेत्रों में राज समाधियला गुजरात में केवल एक ग्राम पंचायत है और देश के 38 ग्राम पंचायतों में से एक ऐसा ग्राम पंचायत है जिसे प्रत्येक परिवार साथ ही स्कूल और आंगनवाड़ी में स्वच्छता सुविधा, कूडा और कचरा रहित सड़कें है और उपयुक्त जल विकास को सुनिश्चित करने के लिए निर्मल ग्राम पुरुस्कार प्राप्त हुआ है।

इस ग्राम पंचायत ने जो राजकोट से 25 किमी की दूरी पर है ने हमारे शहरों को स्वच्छता और साफ-सफाई में कुछ कड़े सबक सिखाने हेतु मार्ग दिखाया है। राज समाधियाला एक छोटा गाँव है जो कि 1800 की आबादी के साथ 1500 एकड़ में फैला हुआ है। किंतु ग्राम पंचायत में 17 लाख रू० की सावधि जमा है, यह राशि लोगों से इस अवधि के दौरान आस-पास थूकने अथक गंदगी फैलाकर अपनी बस्ती को गंदा करने के कारण लोगों से दंड स्वरूप प्राप्त करके एकत्रित किया गया है। ये नियम 1978 से बनाए गए थे जब एक ग्राम समिति बनाई गई थी और उन्होंने इस का कड़ाई से पालन किया। यह सब स्थानीय लीडरों और नियमों का पालन करने वाले ग्रामीणों द्वारा किए गए अथक प्रयासों से संभव हो सका था। गुटखे की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया, स्वास्थवर्धक पर्यावरण बनाए रखने के लिए आतिशबाजी पर भी प्रतिबंध लगाया गया। साथ ही ग्रामीणों द्वारा बनाए गए बहुत से रोधक बांधों के कारण भी ग्राम पंचायत सूखे के मुश्किल दिनों में भी बहुत ही कम अवसरोंपर जल की कमी से जूझा है। ग्रामीणों ने हरियाली को सुनिश्चित करने के लिए भी कई तरीके अपनाए। लगभग 60,000 पेड़ ग्राम में रोपित किए गए। कूड़ा उठाने के लिए कोई सफाई कर्मचारी नहीं है, आवासों में पहने वाले लोग अपने संबंधित क्षत्रों से लैंडफिल स्थल पर कचने को डालने के लिए अपनी बारी लगाते हैं। गाय के गोबर और अन्य अपशिष्ट गांव से बाहर बैलगाड़ियों से ले जाए जाते हैं।

राज समाधियला के लोग पुरुस्कार पाने के बाद स्वच्छता के अपने संदेश से सीमा पर लोगों का दिल जीत रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार गांवों को विकसित करने और जीवन की गुणवत्तामें सुधार करने हेतु चाहती है कि ये ग्रामवासी अपने लोगों के प्रतिनिधि के साथ वार्ता करें। यह अनुरोध इस स्थान के द्वारा पुरुस्कार प्राप्त करने के तुरंत बाद ही पाकिस्तान हाई कमान के माध्यम से आया।